श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री हयग्रीवसहस्रनामावलिः ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री हयग्रीवसहस्रनामावलिः ॥

1	ओं श्रीहयग्रीवाय नमः
2	ओं श्रीं नमः
3	ओं हंसाय नमः
4	ओं हं हयग्रीवाय नमः
5	ओं ऐमोमात्मने नमः
6	ओं क्लीमात्मने नमः
7	ओं श्रियः श्रियै नमः
8	ओं श्रीविभूषणाय नमः
9	ओं परोरजसे नमः
10	ओं परब्रह्मणे नमः
11	ओं भूर्भुवस्सुवरादिमाय नमः
12	ओं भास्वते नमः
13	ओं भगाय नमः
14	ओं भगवते नमः
15	ओं स्वस्त्यात्मने नमः

16	ओं स्वाहात्मने नमः
17	ओं नम आत्मने नमः
18	ओं स्वधात्मने नमः
19	ओं श्रौषटात्मने नमः
20	ओं वौषटात्मने नमः
21	ओं अलमात्मने नमः
22	ओं हुम्फडात्मने नमः
23	ओं हुमात्मने नमः
24	ओं ह्लीम् नमः
25	ओं क्रोम् नमः
26	ओं ह्लौम् नमः
27	ओं यथा तथा नमः
28	ओं कल्कग्रीवाय नमः
29	ओं कलानाथाय नमः
30	ओं कामदाय नमः
31	ओं करुणाकराय नमः
32	ओं कमलाध्युषितोत्सङ्गाय नमः
33	ओं क्षये कालीवशानुगाय नमः

34	ओं निषदे नमः
35	ओं उपनिषदे नमः
36	ओं नीचैरात्मने नमः
37	ओं उच्चैरात्मने नमः
38	ओं सममात्मने नमः
39	ओं सहात्मने नमः
40	ओं शश्वदात्मने नमः
41	ओं युगपदात्मने नमः
42	ओं अह्नायात्मने नमः
43	ओं शनैरात्मने नमः
44	ओं एकस्मै नमः
45	ओं बहवे नमः
46	ओं ध्रुवाय नमः
47	ओं भूतभृते नमः
48	ओं भूरिदाय नमः
49	ओं साक्षिणे नमः
50	ओं भूतादये नमः
51	ओं पुण्यकीर्तनाय नमः

52	ओं भूम्ने नमः
53	ओं भूमिरथोन्नद्धपुरुहूताय नमः
54	ओं पुरुष्टुताय नमः
55	ओं प्रफुल्लपुण्डरीकाक्षाय नमः
56	ओं परमेष्ठिने नमः
57	ओं प्रभावनाय नमः
58	ओं प्रभवे नमः
59	ओं भर्गाय नमः
60	ओं सताम्बन्धवे नमः
61	ओं भयध्वंसिने नमः
62	ओं भवापनाय नमः
63	ओं उद्यते नमः
64	ओं उरुशयाय नमः
65	ओं हुङ्कृते नमः
66	ओं उरुगायाय नमः
67	ओं उरुक्रमाय नमः
68	ओं उदाराय नमः
69	ओं त्रियुगाय नमः

70	ओं त्र्यात्मने नमः
71	ओं निदानाय नमः
72	ओं निळयाय नमः
73	ओं हरये नमः
74	ओं हिरण्यगर्भाय नमः
75	ओं हेमाङ्गाय नमः
76	ओं हिरण्यश्मश्रवे नमः
77	ओं ईशित्रे नमः
78	ओं हिरण्यकेशाय नमः
79	ओं हिमघ्ने नमः
80	ओं हेमवाससे नमः
81	ओं हितैषणाय नमः
82	ओं आदित्यमण्डलान्तस्स्थाय नमः
83	ओं मोदमानाय नमः
84	ओं समूहनाय नमः
85	ओं सर्वात्मने नमः
86	ओं जगदाधाराय नमः
87	ओं सन्निधये नमः

88	ओं सारवते नमः
89	ओं स्वभुवे नमः
90	ओं गोपतये नमः
91	ओं गोहिताय नमः
92	ओं गोमिने नमः
93	ओं केशवाय नमः
94	ओं किन्नरेश्वराय नमः
95	ओं मायिने नमः
96	ओं मायाविकृतिकृते नमः
97	ओं महेशानाय नमः
98	ओं महामहाय नमः
99	ओं मकारात्मने नमः
100	ओं माकारात्मने नमः
101	ओं मिकारात्मने नमः
102	ओं मीकारात्मने नमः
103	ओं मुकारात्मने नमः
104	ओं मूकारात्मने नमः
105	ओं मृकारात्मने नमः

106	ओं मॄकारात्मने नमः
107	ओं म्लृकारात्मने नमः
108	ओं म्लॄकारात्मने नमः
109	ओं मेकारात्मने नमः
110	ओं मैकारात्मने नमः
111	ओं मोकारात्मने नमः
112	ओं मौकारात्मने नमः
113	ओं बिन्दवे नमः
114	ओं विसर्गाय नमः
115	ओं ह्रस्वाय नमः
116	ओं दीर्घाय नमः
117	ओं प्लुताय नमः
118	ओं स्वराय नमः
119	ओं उदात्ताय नमः
120	ओं अनुदात्ताय नमः
121	ओं स्वरिताय नमः
122	ओं प्रचयाय नमः
123	ओं कं नमः

124	ओं खं नमः
125	ओं गं नमः
126	ओं घं नमः
127	ओं ङं नमः
128	ओं चं नमः
129	ओं छं नमः
130	ओं जं नमः
131	ओं झं नमः
132	ओं ञं नमः
133	ओं टं नमः
134	ओं ठं नमः
135	ओं डं नमः
136	ओं ढं नमः
137	ओं णं नमः
138	ओं तं नमः
139	ओं थं नमः
140	ओं दं नमः
141	ओं धं नमः

142	ओं नं नमः
143	ओं पं नमः
144	ओं फं नमः
145	ओं बं नमः
146	ओं भं नमः
147	ओं मं नमः
148	ओं यं नमः
149	ओं रं नमः
150	ओं लं नमः
151	ओं वं नमः
152	ओं शं नमः
153	ओं षं नमः
154	ओं सं नमः
155	ओं हं नमः
156	ओं ळं नमः
157	ओं क्षं नमः
158	ओं यमाय नमः
159	ओं व्यञ्जनाय नमः

160	ओं जिह्वामूलीयाय नमः
161	ओं अर्धविसर्गवते नमः
162	ओं उपध्मानीयाय नमः
163	ओं संयुक्ताक्षराय नमः
164	ओं पदाय नमः
165	ओं क्रियायै नमः
166	ओं कारकाय नमः
167	ओं निपाताय नमः
168	ओं गतये नमः
169	ओं अव्ययाय नमः
170	ओं सन्निधये नमः
171	ओं योग्यतायै नमः
172	ओं आकाङ्क्षायै नमः
173	ओं परस्परसमन्वयाय नमः
174	ओं वाक्याय नमः
175	ओं पद्याय नमः
176	ओं सम्प्रदायाय नमः
177	ओं भावाय नमः

178	ओं शब्दार्थलालिताय नमः
179	ओं व्यञ्जनायै नमः
180	ओं लक्षणायै नमः
181	ओं शक्त्यै नमः
182	ओं पाकाय नमः
183	ओं रीतये नमः
184	ओं अलङ्कृतये नमः
185	ओं शय्यायै नमः
186	ओं प्रौढध्वनये नमः
187	ओं ध्वनिमत्काव्याय नमः
188	ओं सर्गाय नमः
189	ओं क्रियायै नमः
190	ओं रुचये नमः
191	ओं नानारूपप्रबन्धाय नमः
192	ओं यशसे नमः
193	ओं पुण्याय नमः
194	ओं महते धनाय नमः
195	ओं व्यवहारपरिज्ञानाय नमः

196	ओं शिवेतरपरिक्षयाय नमः
197	ओं सद्यःपरमनिर्वाणाय नमः
198	ओं प्रियपथ्योपदेशकाय नमः
199	ओं संस्काराय नमः
200	ओं प्रतिभायै नमः
201	ओं शिक्षायै नमः
202	ओं ग्रहणाय नमः
203	ओं धारणाय नमः
204	ओं श्रमाय नमः
205	ओं आशुतायै नमः
206	ओं स्वादिम्ने नमः
207	ओं चित्राय नमः
208	ओं विस्ताराय नमः
209	ओं चित्रसंविधये नमः
210	ओं पुराणाय नमः
211	ओं इतिहासाय नमः
212	ओं स्मृतये नमः
213	ओं सूत्राय नमः

214	ओं संहितायै नमः
215	ओं आचाराय नमः
216	ओं आत्मतुष्टये नमः
217	ओं आचार्याज्ञानतिक्रमाय नमः
218	ओं श्रीमते नमः
219	ओं श्रीगिरे नमः
220	ओं श्रियः कान्ताय नमः
221	ओं श्रीनिधये नमः
222	ओं श्रीनिकेतनाय नमः
223	ओं श्रेयसे नमः
224	ओं श्रीहयाननाय नमः
225	ओं श्रीदाय नमः
226	ओं श्रीमयाय नमः
227	ओं श्रितवत्सलाय नमः
228	ओं हंसाय शुचिषदे आदित्याय नमः
229	ओं वसवे अन्तरिक्षसदे चन्द्राय नमः
230	ओं होत्रे वेदिषदे योनये नमः
231	ओं अतिथये द्रोणसदे हविषे नमः

232	ओं नृषदे मृत्यवे नमः
233	ओं वरसदे अमृताय नमः
234	ओं ऋतसदे वृषाय नमः
235	ओं व्योमसदे विविधस्फोटशब्दार्थव्यङ्ग्यवैभवाय नमः
236	ओं अब्जाय स्वादुतमाय रसाय नमः
237	ओं गोजाय मनोहरगेयाय नमः
238	ओं ऋतजाय सकलभद्राय नमः
239	ओं अद्रिजाय उत्तमस्थैर्याय नमः
240	ओं ऋताय समज्ञायै नमः
241	ओं बृहते अनृताय सूक्ष्मवशानुगाय नमः
242	ओं सत्याय नमः
243	ओं ज्ञानाय नमः
244	ओं अनन्ताय नमः
245	ओं यते नमः
246	ओं तते नमः
247	ओं सते नमः
248	ओं ब्रह्ममयाय नमः
249	ओं अच्युताय नमः

250	ओं अग्रेभवते नमः
251	ओं नगाय नमः
252	ओं नित्याय नमः
253	ओं परमाय नमः
254	ओं पुरुषोत्तमाय नमः
255	ओं योगनिद्रापराय नमः
256	ओं स्वामिने नमः
257	ओं निध्यानपरनिर्वृताय नमः
258	ओं रसाय नमः
259	ओं रस्याय नमः
260	ओं रसयित्रे नमः
261	ओं रसवते नमः
262	ओं रसिकप्रियाय नमः
263	ओं आनन्दाय नमः
264	ओं सर्वान् नन्दयते नमः
265	ओं आनन्दिने नमः
266	ओं हयकन्धराय नमः
267	ओं कालाय नमः

268	ओं काल्याय नमः
269	ओं कालात्मने नमः
270	ओं कालाभ्युत्थित जागराय नमः
271	ओं कालासाचिव्यकृते नमः
272	ओं कान्ताकथितव्याधिकालकाय नमः
273	ओं दृङ्घ्रुञ्चनोद्यल्लयाय नमः
274	ओं दृगुदञ्चनोद्यत्सर्गाय नमः
275	ओं लघुक्रियाय नमः
276	ओं विद्यासहायाय नमः
277	ओं वागीशाय नमः
278	ओं मातृकामण्डनीकृताय नमः
279	ओं हिरण्याय नमः
280	ओं हंसमिथुनाय नमः
281	ओं ईशानाय नमः
282	ओं शक्तिमते नमः
283	ओं जयिने नमः
284	ओं गृहमेधिने नमः
285	ओं गुणिने नमः

286	ओं श्रीभूनीलालीलैकलालसाय नमः
287	ओं अङ्कोदूढवाग्देवीकायोपाश्रिताचार्यकाय नमः
288	ओं वेदवेदान्तशास्त्रार्थतत्त्वव्याख्यानतत्पराय नमः
289	ओं ह्लौं नमः
290	ओं ह्लूं नमः
291	ओं हंहं नमः
292	ओं हयाय नमः
293	ओं हंसूं नमः
294	ओं हंसां नमः
295	ओं हंसीं नमः
296	ओं हसूं नमः
297	ओं हसौं नमः
298	ओं हसूंहं नमः
299	ओं हरिणाय नमः
300	ओं हारिणे नमः
301	ओं हरिकेशाय नमः
302	ओं हरेडिताय नमः
303	ओं सनातनाय नमः

304	ओं निबीजाय नमः
305	ओं सते नमः
306	ओं अव्यक्ताय नमः
307	ओं हृदयेशयाय नमः
308	ओं अक्षराय नमः
309	ओं क्षरजीवेशाय नमः
310	ओं क्षमिणे नमः
311	ओं क्षयकरायाच्युताय नमः
312	ओं कर्त्रे नमः
313	ओं कारयित्रे नमः
314	ओं कार्याय नमः
315	ओं कारणाय नमः
316	ओं प्रकृतये नमः
317	ओं कृतये नमः
318	ओं क्षयक्षयमनसे नमः
319	ओं मार्थाय नमः
320	ओं विष्णवे नमः
321	ओं जिष्णवे नमः

322	ओं जगन्मयाय नमः
323	ओं सङ्कुचते नमः
324	ओं विकचते नमः
325	ओं स्थाणवे नमः
326	ओं निर्विकाराय नमः
327	ओं निरामयाय नमः
328	ओं शुद्धाय नमः
329	ओं बुद्धाय नमः
330	ओं प्रबुद्धाय नमः
331	ओं स्निग्धाय नमः
332	ओं मुग्धाय नमः
333	ओं समुद्धताय नमः
334	ओं सङ्कल्पदाय नमः
335	ओं बहुभवते नमः
336	ओं सर्वात्मने नमः
337	ओं सर्वनामभृते नमः
338	ओं सहस्रशीर्षाय नमः
339	ओं सर्वज्ञाय नमः

340	ओं सहस्राक्षाय नमः
341	ओं सहस्रपदे नमः
342	ओं व्यक्ताय नमः
343	ओं विराजे नमः
344	ओं स्वराजे नमः
345	ओं सम्राजे नमः
346	ओं विष्वग्रूपवपुषे नमः
347	ओं विधवे नमः
348	ओं मायाविने नमः
349	ओं परमानन्दाय नमः
350	ओं मान्याय नमः
351	ओं मायातिगाय नमः
352	ओं महते नमः
353	ओं वटपत्रशयाय नमः
354	ओं बालाय नमः
355	ओं ललते नमः
356	ओं आम्नायसूचकाय नमः
357	ओं मुखन्यस्तकरग्रस्तपादाग्रपटलाय नमः

358	ओं प्रभवे नमः
359	ओं नैद्रीहासाश्वसम्भूतज्ञाज्ञसात्त्विकतामसाय नमः
360	ओं महार्णवाम्बुपर्यङ्काय नमः
361	ओं पद्मनाभाय नमः
362	ओं परात्पराय नमः
363	ओं ब्रह्मभुवे नमः
364	ओं ब्रह्मभयहृते नमः
365	ओं हरये नमः
366	ओं ओमुपदेशकृते नमः
367	ओं मधुकैटभनिर्माथाय नमः
368	ओं मत्तब्रह्ममदापहाय नमः
369	ओं वेधोविलापवागाविर्दयासाराय नमः
370	ओं अमृषार्थदाय नमः
371	ओं नारायणास्त्रनिर्मात्रे नमः
372	ओं मधुकैटभमर्दनाय नमः
373	ओं वेदकर्त्रे नमः
374	ओं वेदभर्त्रे नमः
375	ओं वेदाहर्त्रे नमः

376	ओं विदां वराय नमः
377	ओं पुङ्खानुपुङ्खहेषाढ्याय नमः
378	ओं पूर्णषाड्गुण्यविग्रहाय नमः
379	ओं लालामृतकणव्याज वान्तनिर्दोषवर्णकाय नमः
380	ओं उल्लोलध्वानधीरोद्यदुच्चैर्हलहलध्वनये नमः
381	ओं कर्णादारभ्यकल्कात्मने नमः
382	ओं कवये नमः
383	ओं क्षीरार्णवोपमाय नमः
384	ओं शङ्खिने नमः
385	ओं चक्रिणे नमः
386	ओं गदिने नमः
387	ओं खड्गिने नमः
388	ओं शार्ङ्गिणे नमः
389	ओं निर्भयमुद्रकाय नमः
390	ओं चिन्मुद्राचिह्निताय नमः
391	ओं हस्ततलविन्यस्तपुस्तकाय नमः
392	ओं शिष्यभूतविद्याश्रीनिजवैभववेदकाय नमः
393	ओं अष्टार्णगम्याय नमः

394	ओं अष्टभुजाय नमः
395	ओं व्यष्टिसृष्टिकराय नमः
396	ओं पित्रे नमः
397	ओं अष्टैश्वर्यप्रदाय नमः
398	ओं हृष्यदष्टमूर्तिपितृस्तुताय नमः
399	ओं आनीतवेदपुरुषाय नमः
400	ओं विधिवेदोपदेशकृते नमः
401	ओं वेदवेदाङ्गवेदान्तपुराणस्मृतिमूर्तिमते नमः
402	ओं सर्वकर्मसमाराध्याय नमः
403	ओं सर्ववेदमयाय नमः
404	ओं विभवे नमः
405	ओं सर्वार्थतत्त्वव्याख्यात्रे नमः
406	ओं चतुष्षष्टिकलाधिपाय नमः
407	ओं शुभयुजे नमः
408	ओं सुमुखाय नमः
409	ओं शुद्धाय नमः
410	ओं सुरूपाय नमः
411	ओं सुगताय नमः

412	ओं सुधिये नमः
413	ओं सुवृतये नमः
414	ओं संवृतये नमः
415	ओं शूराय नमः
416	ओं सुतपसे नमः
417	ओं सुष्टुतये नमः
418	ओं सुहृदे नमः
419	ओं सुन्दराय नमः
420	ओं सुभगाय नमः
421	ओं सौम्याय नमः
422	ओं सुखदाय नमः
423	ओं सुहृदां प्रियाय नमः
424	ओं सुचरित्राय नमः
425	ओं सुखतराय नमः
426	ओं शुद्धसत्त्वप्रदायकाय नमः
427	ओं रजस्तमोहराय नमः
428	ओं वीराय नमः
429	ओं विश्वरक्षाधुरन्धराय नमः

430	ओं नरनारायणाकृत्या गुरुशिष्यत्वमास्थिताय नमः
431	ओं परावरात्मने नमः
432	ओं प्रबलाय नमः
433	ओं पावनाय नमः
434	ओं पापनाशनाय नमः
435	ओं दयाघनाय नमः
436	ओं क्षमासाराय नमः
437	ओं वात्सल्यैकविभूषणाय नमः
438	ओं आदिकूर्माय नमः
439	ओं जगद्धर्त्रे नमः
440	ओं महापोत्रिणे नमः
441	ओं महीधराय नमः
442	ओं महीभित्स्वामिने नमः
443	ओं हरये नमः
444	ओं यक्षाय नमः
445	ओं हिरण्यरिपवे नमः
446	ओं ऐच्छिकाय नमः
447	ओं प्रह्लादपालकाय नमः

448	ओं सर्वभयहर्त्रे नमः
449	ओं प्रियंवदाय नमः
450	ओं श्रीमुखालोकनस्रंसत्क्रौञ्चकाय नमः
451	ओं कुहकाञ्चनाय नमः
452	ओं छत्रिणे नमः
453	ओं कमण्डलुधराय नमः
454	ओं वामनाय नमः
455	ओं वदतांवराय नमः
456	ओं पिशुनात्मोशनोदृष्टिलोपनाय नमः
457	ओं बलितर्दनाय नमः
458	ओं उरुक्रमाय नमः
459	ओं बलिशिरोन्यस्ताङ्घ्रये नमः
460	ओं बलिमर्दनाय नमः
461	ओं जामदग्न्याय नमः
462	ओं परशुभृते नमः
463	ओं कृत्तक्षत्रकुलोत्तमाय नमः
464	ओं रामाय नमः
465	ओं अभिरामाय नमः

466	ओं शान्तात्मने नमः
467	ओं हरकोदण्ड खण्डनाय नमः
468	ओं शरणागतसन्त्रात्रे नमः
469	ओं सर्वायोध्यकमुक्तिदाय नमः
470	ओं सङ्कर्षणाय नमः
471	ओं मदोदग्राय नमः
472	ओं बलवते नमः
473	ओं मुसलायुधाय नमः
474	ओं कृष्णाक्लेशहराय नमः
475	ओं कृष्णाय नमः
476	ओं महाव्यसनशान्तिदाय नमः
477	ओं इङ्गालितोत्तरागर्भप्राणदाय नमः
478	ओं पार्थसारथये नमः
479	ओं गीताचार्याय नमः
480	ओं धराभारहारिणे नमः
481	ओं षट्पुरमर्दनाय नमः
482	ओं कल्किने नमः
483	ओं विष्णुयशस्सूनवे नमः

484	ओं कलिकालुष्यनाशनाय नमः
485	ओं साधुपरित्राण विहितोदयाय नमः
486	ओं दुष्कृद्विनाशविहितोदयाय नमः
487	ओं परमवैकुण्ठस्थाय नमः
488	ओं सुकुमारयुवाकृतये नमः
489	ओं विश्वोदयसङ्कल्पप्रभवे नमः
490	ओं विश्वस्थितिप्रभवे नमः
491	ओं विश्वध्वंसप्रभवे नमः
492	ओं मदनमदनाय नमः
493	ओं मणिकोटीरमानिताय नमः
494	ओं मन्दारमालिकापीडाय नमः
495	ओं मणिकुण्डलमण्डिताय नमः
496	ओं सुस्निग्धनीलकुटिलकुन्तलाय नमः
497	ओं कोमलाकृतये नमः
498	ओं सुललाटाय नमः
499	ओं सुतिलकाय नमः
500	ओं सुभ्रूकाय नमः
501	ओं सुकपोलाय नमः

502	ओं सदासिद्धाय नमः
503	ओं सदालोक सुधास्यन्दिरदच्छदाय नमः
504	ओं तारकाकोरकाकारविनिर्मितरदच्छदाय नमः
505	ओं सुधावर्तिपरिस्फूर्तिशोभमानरदच्छदाय नमः
506	ओं विष्टब्धाय नमः
507	ओं विपुलग्रीवाय नमः
508	ओं निभृतोच्चैश्श्रवस्स्थितये नमः
509	ओं समावृत्तावदातोरुमुक्ताप्रालम्बभूषणाय नमः
510	ओं रत्नाङ्गदिने नमः
511	ओं वज्रनिष्किणे नमः
512	ओं नीलरत्नाङ्ककङ्कणाय नमः
513	ओं हरिन्मणिगणाबद्ध शृङ्खलाकङ्कणोर्मिकाय नमः
514	ओं सितोपवीतसंश्लिष्यत्पद्माक्षमणिमालिकाय नमः
515	ओं श्रीचूर्णवद्द्वादशोर्ध्वपुण्ड्ररेखापरिष्कृताय नमः
516	ओं पट्टतन्तुग्रथनवत्पवित्रसरशोभिताय नमः
517	ओं पीनवक्षसे नमः
518	ओं महास्कन्धाय नमः
519	ओं विपुलोरुकटीतटाय नमः

520	ओं कौस्तुभिने नमः
521	ओं वनमालिने नमः
522	ओं कान्त्या चन्द्रायुतोपमाय नमः
523	ओं मन्दारमालिकामोदिने नमः
524	ओं मञ्जुवाचे नमः
525	ओं अमलच्छवये नमः
526	ओं दिव्यगन्धाय नमः
527	ओं दिव्यरसाय नमः
528	ओं दिव्यतेजसे नमः
529	ओं दिवस्पतये नमः
530	ओं वाचालाय नमः
531	ओं वाक्पतये नमः
532	ओं वक्त्रे नमः
533	ओं व्याख्यात्रे नमः
534	ओं वादिनाम्प्रियाय नमः
535	ओं भक्तहृन्मधुराय नमः
536	ओं वादिजिह्वाभद्रासनस्थिताय नमः
537	ओं स्मृतिसन्निहिताय नमः

538	**ओं स्निग्धाय नमः**
539	**ओं सिद्धिदाय नमः**
540	**ओं सिद्धसन्नुताय नमः**
541	**ओं मूलकन्दाय नमः**
542	**ओं मुकुन्दाय नमः**
543	**ओं ग्लावे नमः**
544	**ओं स्वयम्भुवे नमः**
545	**ओं शाम्भवे नमः**
546	**ओं ऐन्दवाय नमः**
547	**ओं इष्टाय नमः**
548	**ओं मनवे नमः**
549	**ओं यमाय नमः**
550	**ओं अकालकाल्याय नमः**
551	**ओं कम्बुकलानिधये नमः**
552	**ओं कल्याय नमः**
553	**ओं कामयित्रे नमः**
554	**ओं भीमाय नमः**
555	**ओं कातर्यहरणाय नमः**

556	ओं कृतये नमः
557	ओं सम्प्रियाय नमः
558	ओं पक्कणाय नमः
559	ओं तर्काय नमः
560	ओं चर्चायै नमः
561	ओं निर्धारणादये नमः
562	ओं व्यतिरेकाय नमः
563	ओं विवेकाय नमः
564	ओं प्रवेशाय नमः
565	ओं प्रक्रमाय नमः
566	ओं क्रमाय नमः
567	ओं प्रमाणाय नमः
568	ओं प्रतिभुवे नमः
569	ओं प्राज्ञाय नमः
570	ओं पथ्यप्रज्ञाभूताय नमः
571	ओं धारणाय नमः
572	ओं विधये नमः
573	ओं विधात्रे नमः

574	ओं व्यवधये नमः
575	ओं उद्भवाय नमः
576	ओं प्रभवे नमः
577	ओं स्थितये नमः
578	ओं विषयाय नमः
579	ओं संशयाय नमः
580	ओं पूर्वपक्षाय नमः
581	ओं कक्ष्योपपादकाय नमः
582	ओं राद्धान्ताय नमः
583	ओं विहिताय नमः
584	ओं न्यायफलनिष्पत्तये नमः
585	ओं उद्भवाय नमः
586	ओं नानारूपतन्त्रात्मने नमः
587	ओं व्यवहार्याय नमः
588	ओं व्यवस्थितये नमः
589	ओं सर्वसाधारणाय नमः
590	ओं देवाय नमः
591	ओं साध्वसाधुहितरताय नमः

592	ओं सन्धायै नमः
593	ओं सनातनधर्माय नमः
594	ओं धर्माचर्य्याय नमः
595	ओं छन्दोमयाय नमः
596	ओं त्रिधामात्मने नमः
597	ओं स्वच्छन्दाय नमः
598	ओं छान्दसेडिताय नमः
599	ओं यज्ञाय नमः
600	ओं यज्ञात्मकाय नमः
601	ओं यष्ट्रे नमः
602	ओं यज्ञाङ्गाय नमः
603	ओं अपघनाय नमः
604	ओं हविषे नमः
605	ओं समिधे नमः
606	ओं आज्याय नमः
607	ओं पुरोडाशाय नमः
608	ओं शालायै नमः
609	ओं स्थाल्यै नमः

610	ओं स्रुवाय नमः
611	ओं स्रुचे नमः
612	ओं प्राग्वंशाय नमः
613	ओं देवयजनाय नमः
614	ओं परिधये नमः
615	ओं परिस्तराय नमः
616	ओं वेदये नमः
617	ओं विहरणाय नमः
618	ओं त्रेतायै नमः
619	ओं पशवे नमः
620	ओं पाशाय नमः
621	ओं संस्कृतये नमः
622	ओं विधये नमः
623	ओं मन्त्राय नमः
624	ओं अर्थवादाय नमः
625	ओं द्रव्याय नमः
626	ओं अङ्गाय नमः
627	ओं दैवताय नमः

628	ओं स्तोत्राय नमः
629	ओं शस्त्राय नमः
630	ओं साम्ने नमः
631	ओं गीतये नमः
632	ओं उद्गीथाय नमः
633	ओं सर्वसाधनाय नमः
634	ओं याज्यायै नमः
635	ओं पुरोनुवाक्यायै नमः
636	ओं सामिधेन्यै नमः
637	ओं समूहनाय नमः
638	ओं प्रयोक्त्रात्मने नमः
639	ओं प्रयोगाय नमः
640	ओं प्रपञ्चाय नमः
641	ओं प्राशुभावाय नमः
642	ओं क्रमाय नमः
643	ओं श्रद्धायै नमः
644	ओं प्रध्वंसनायै नमः
645	ओं तुष्टये नमः

646	ओं पुष्टये नमः
647	ओं पुण्याय नमः
648	ओं रतये नमः
649	ओं भवाय नमः
650	ओं सदसे नमः
651	ओं सदस्यसम्पाताय नमः
652	ओं प्रश्नाय नमः
653	ओं प्रतिवचस्स्थितये नमः
654	ओं प्रायश्चित्ताय नमः
655	ओं परिष्काराय नमः
656	ओं धृतये नमः
657	ओं निर्वहणाय नमः
658	ओं फलाय नमः
659	ओं नियोगाय नमः
660	ओं भावनायै नमः
661	ओं भाव्याय नमः
662	ओं हिरण्याय नमः
663	ओं दक्षिणायै नमः

664	ओं नुतये नमः
665	ओं आशिषे नमः
666	ओं अभ्युपपत्तये नमः
667	ओं तृप्तये नमः
668	ओं स्वाय नमः
669	ओं केवलशर्मणे नमः
670	ओं पुण्यक्षयाय नमः
671	ओं पुनःपातभयाय नमः
672	ओं शिक्षाशुगर्दनाय नमः
673	ओं कार्पण्याय नमः
674	ओं यातनायै नमः
675	ओं चिन्तायै नमः
676	ओं निर्वेदाय नमः
677	ओं विहस्ततायै नमः
678	ओं देहभृत्कर्मसम्पाताय नमः
679	ओं किञ्चित्कर्मानुकूलकाय नमः
680	ओं अहेतुकप्रेम्णे नमः
681	ओं साम्मुख्याय नमः

682	ओं अनुग्रहाय नमः
683	ओं शुचये नमः
684	ओं श्रीमत्कुलजनाय नमः
685	ओं नेत्रे नमः
686	ओं सत्त्वाभिमानवते नमः
687	ओं अन्तरायहराय नमः
688	ओं अदुष्टाहारदायकाय नमः
689	ओं शुद्धाहारानुरूपाङ्गपरिणामविधायकाय नमः
690	ओं स्रावपातादिविपत्परिहारिणे नमः
691	ओं परायणाय नमः
692	ओं शिरःपाण्यादिसन्धात्रे नमः
693	ओं क्षेमकृते नमः
694	ओं प्राणदाय नमः
695	ओं प्रभवे नमः
696	ओं अनिर्घृणाय नमः
697	ओं अविषमाय नमः
698	ओं शक्तित्रितयदायकाय नमः
699	ओं स्वेच्छाप्रसङ्गसम्पत्तिव्याजहर्षविशेषवते नमः

700	ओं संवित्सन्धायकाय नमः
701	ओं सर्वजन्मक्लेशस्मृतिप्रदाय नमः
702	ओं विवेकविधायकाय नमः
703	ओं शोकविधायकाय नमः
704	ओं वैराग्यविधायकाय नमः
705	ओं भवभीति विधायकाय नमः
706	ओं गर्भस्य अनुकूलाद्यध्यवसायप्रदाय नमः
707	ओं शुभवैजननोपेतसदनेहाय नमः
708	ओं जनिप्रदाय नमः
709	ओं उत्तमायुःप्रदाय नमः
710	ओं ब्रह्मनिष्ठानुग्रहकारकाय नमः
711	ओं स्वदासजननिस्तीर्णतद्वंशजपरम्पराय नमः
712	ओं श्रीवैष्णवोत्पादकृतस्वस्तिकावनिमण्डलाय नमः
713	ओं आथर्वणोक्तैकशतमृत्युदूरक्रियापराय नमः
714	ओं दयाद्यष्टगुणाधात्रे नमः
715	ओं तत्तत्संस्कृतिसाधकाय नमः
716	ओं मेधाविधात्रे नमः
717	ओं श्रद्धाकृते नमः

718	ओं सौस्थ्यदाय नमः
719	ओं जामिताहराय नमः
720	ओं विघ्ननुदे नमः
721	ओं विजयाधात्रे नमः
722	ओं देशकालानुकूल्यकृते नमः
723	ओं विनेत्रे नमः
724	ओं सत्पथानेत्रे नमः
725	ओं दोषहृते नमः
726	ओं शुभदाय नमः
727	ओं सख्ये नमः
728	ओं ह्रीदाय नमः
729	ओं भीदाय नमः
730	ओं रुचिकराय नमः
731	ओं विश्वाय नमः
732	ओं विश्वहितेरताय नमः
733	ओं प्रमादहृते नमः
734	ओं प्राप्तकारिणे नमः
735	ओं प्रद्युम्नाय नमः

736	ओं बलवत्तराय नमः
737	ओं साङ्गवेदसमायोक्त्रे नमः
738	ओं सर्वशास्त्रार्थवित्तिदाय नमः
739	ओं ब्रह्मचर्यान्तरायघ्नाय नमः
740	ओं प्रियकृते नमः
741	ओं हितकृते नमः
742	ओं पराय नमः
743	ओं चित्तशुद्धिप्रदाय नमः
744	ओं छिन्नाक्षचापल्याय नमः
745	ओं क्षमावहाय नमः
746	ओं इन्द्रियार्थरतिच्छेत्रे नमः
747	ओं विद्यैकव्यसनावहाय नमः
748	ओं आत्मानुकूल्यरुचिकृते नमः
749	ओं अखिलार्तिविनाशकाय नमः
750	ओं तितीर्षुहृत्त्वरावेदिने नमः
751	ओं उरुसद्भक्तितेजनाय नमः
752	ओं गुरुसम्बन्धघटकाय नमः
753	ओं गुरुविश्वासवर्धनाय नमः

754	ओं गुरूपासनसन्धात्रे नमः
755	ओं गुरुप्रेमप्रवर्धनाय नमः
756	ओं आचार्याभिमतैर्योक्त्रे नमः
757	ओं पञ्चसंस्कृतिभावनाय नमः
758	ओं गुरूक्तवृत्तिनैश्चल्यसन्धात्रे नमः
759	ओं अवहितस्थितये नमः
760	ओं आपन्नाखिलरक्षार्थाय नमः
761	ओं आचार्यकमुपाश्रिताय नमः
762	ओं शास्त्रपाणिप्रदानकृतभवमग्नसमुद्धरणाय नमः
763	ओं पाञ्चकालिकधर्मनैश्चल्य प्रतिपादकाय नमः
764	ओं स्वदासाराधनाद्यर्थशुद्धद्रव्यप्रदायकाय नमः
765	ओं न्यासविद्याविनिर्वोढ्रे नमः
766	ओं न्यस्तात्मभररक्षकाय नमः
767	ओं स्वकैङ्कर्यैकरुचिदाय नमः
768	ओं स्वदास्यप्रेमवर्धनाय नमः
769	ओं आचार्यार्थाखिलद्रव्यसम्भृत्यर्पणरोचकाय नमः
770	ओं आचार्यस्य स्वसच्छिष्योज्जीवनैकरुचिप्रदाय नमः
771	ओं आगत्ययोजयते नमः

772	ओं दासहितैककृतिजागराय नमः
773	ओं ब्रह्मविद्यासमास्वादसुहिताय नमः
774	ओं कृतसंस्कृतये नमः
775	ओं सत्कारे विषधीदात्रे नमः
776	ओं तरुण्यां शवबुद्धिदाय नमः
777	ओं सभां व्यालीं प्रत्याययते नमः
778	ओं सर्वत्रसमबुद्धिदाय नमः
779	ओं सम्भाविताशेषदोषहृते नमः
780	ओं पुनर्न्यासरोचकाय नमः
781	ओं महाविश्वाससन्धात्रे नमः
782	ओं स्थैर्यदात्रे नमः
783	ओं मदापहाय नमः
784	ओं वादव्याख्यास्वसिद्धान्त रक्षाहेतुस्वमन्त्रदाय नमः
785	ओं स्वमन्त्रजपसंसिद्धिजङ्गालकवितोदयाय नमः
786	ओं अदुष्टगुणवत्काव्यबन्धव्यामुग्धचेतनाय नमः
787	ओं व्यङ्ग्यप्रधानरसवद्गद्यपद्यादिनिर्मितये नमः
788	ओं स्वभक्तस्तुति सन्तुष्टाय नमः
789	ओं भूयोभक्तिप्रदायकाय नमः

790	ओं सात्त्विकत्यागसम्पन्नसत्कर्मकृदतिप्रियाय नमः
791	ओं निरन्तरानुस्मरणनिजदासैकदास्यकृते नमः
792	ओं निष्कामवत्सलाय नमः
793	ओं नैच्यभावननिर्विष्टाय नमः
794	ओं सर्वभूतभवद्भावदर्शिजन सदास्थिताय नमः
795	ओं करणत्रयसारूप्यकल्याणवज्जनसादराय नमः
796	ओं कैङ्कर्यकामिशेषित्वभाजे नमः
797	ओं परव्यूहादिनिर्दोषशुभाश्रयपरिग्रहाय नमः
798	ओं चन्द्रमण्डलमध्यस्थश्वेताम्भोरुहविष्टराय नमः
799	ओं ज्योत्स्नायमानाङ्गरुचिनिर्धूतान्तर्बहिस्तमसे नमः
800	ओं भाव्याय नमः
801	ओं भद्रभावयित्रे नमः
802	ओं पारिजातवनालयाय नमः
803	ओं क्षीराब्धिमध्यमद्वीपपालकाय नमः
804	ओं प्रपितामहाय नमः
805	ओं निरन्तरनमोवाकशुद्धयाजिहृदाश्रयाय नमः
806	ओं मुक्तिदश्वेतमृद्रूपश्वेतद्वीपविभावनाय नमः
807	ओं गरुडाहारितश्वेतमृत्पूतयदुभूधराय नमः

808	ओं भद्राश्ववर्षनिलयाय नमः
809	ओं भयहारिणे नमः
810	ओं शुभाश्रयाय नमः
811	ओं भद्रश्रीवत्सहाराढ्याय नमः
812	ओं पञ्चरात्रप्रवर्तकाय नमः
813	ओं भक्तात्मभावभवनाय नमः
814	ओं हार्दाय नमः
815	ओं अङ्गुष्ठप्रमाणवते नमः
816	ओं स्वदाससत्कृत्याकृत्यास्पदीकृततन्मित्रारये नमः
817	ओं प्राणोत्क्रामणाय नमः
818	ओं ऊरीकृतप्रारब्धलोपनाय नमः
819	ओं लघुशिक्षाक्षपिताशेषपापाय नमः
820	ओं त्रिस्थूणक्षोभपूर्वकसूक्ष्मवपुस्सृजे नमः
821	ओं निरङ्कुशकृपापूराय नमः
822	ओं नित्यकल्याणकारकाय नमः
823	ओं मूर्धन्यनाड्योदञ्चित स्वदासाय नमः
824	ओं उपासकप्रारब्धकर्ममात्रानुभावनाय नमः
825	ओं सर्वप्रारब्धदेहान्तदिष्टान्तिमस्मरणाय नमः

826	ओं भक्तप्रपन्नयमदृष्ट्यभावकाय नमः
827	ओं दिव्यदेशप्रदाय नमः
828	ओं मोक्षप्रवृत्तानां सूर्यं द्वारयते नमः
829	ओं आतिवाहिकसत्कारैरध्वनि मानयते नमः
830	ओं सर्वक्रतुभुजःशश्वत् प्राभृतानि प्रदापयते नमः
831	ओं दुरन्तमायाकान्तारद्रुतलङ्घनहेतवे नमः
832	ओं स्फायत्सुदर्शविविधवीधीकाध्वनेत्रे नमः
833	ओं सीमान्तसिन्धुभूतविरजोत्तारकाय नमः
834	ओं वशिने नमः
835	ओं शिरोनिधापितामानवकराय नमः
836	ओं अनादिवासनाधूननाय नमः
837	ओं वैकुण्ठे सालोक्यदाय नमः
838	ओं अहेयमङ्गलोदारदेहेन सारूप्यदाय नमः
839	ओं सूरिजुष्टसुखैकान्तपरमपदप्रापकाय नमः
840	ओं अरण्याख्यामृतार्णवद्वयदर्शकाय नमः
841	ओं श्रमनाशनाय नमः
842	ओं दिव्योद्यानसरोवापीसरिन्मणिपर्वतप्रापकाय नमः
843	ओं ऐरम्मदामृतसरस्सङ्गमनाय नमः

844	ओं श्र्युपबृंहणाय नमः
845	ओं सोमसवनाश्वत्थप्रापकाय नमः
846	ओं विष्टरश्रवसे नमः
847	ओं दिव्याप्सरस्समानीतब्रह्मालङ्कारदायकाय नमः
848	ओं दिव्यवासोञ्जनक्षौममाल्यकृतबहुमानाय नमः
849	ओं स्वायोध्यानगरसादरप्रवेशकाय नमः
850	ओं दासविग्रहस्थापितदिव्यरसगन्धालोकाय नमः
851	ओं स्वदासबहुमाननसूरिवर्गाय नमः
852	ओं सूरिसेवोदितानन्दनैच्यस्वजनातिशायकाय नमः
853	ओं नमोवीप्साकारकाय नमः
854	ओं प्रह्वकृताञ्जलित्वापादकाय नमः
855	ओं प्राकारादिप्रणामकारकाय नमः
856	ओं इन्द्रप्रजापतिद्वारपालप्रापकाय नमः
857	ओं मालिकाञ्चितमहाराजवीथिमध्यस्थापकाय नमः
858	ओं श्रीवैकुण्ठपुरन्ध्रीकारितनानासत्काराय नमः
859	ओं दिव्यविमानप्रापकाय नमः
860	ओं ब्रह्मकान्तिपूरकाय नमः
861	ओं महानन्दात्मकाय नमः

862	ओं श्रीमन्मणिमण्डपप्रापकाय नमः
863	ओं कुमुदचण्डादिप्रापितविष्वक्सेनान्तिकाय नमः
864	ओं सेनेशचोदितास्थाननायकाय नमः
865	ओं हेतिनायकाय नमः
866	ओं दिव्यास्थानप्रापकाय नमः
867	ओं वैनतेयप्रणामयित्रे नमः
868	ओं श्रीमत्सुन्दरसूरीन्द्रदिव्यपङ्क्तिप्रणामयित्रे नमः
869	ओं भास्वरासनपर्यङ्कप्रापकाय नमः
870	ओं पर्यङ्कविद्यासंसिद्ध सर्ववैभवाय नमः
871	ओं श्रीकान्तस्वात्मदर्शकाय नमः
872	ओं शेषतैकरतिशेषप्रणामनाय नमः
873	ओं अनन्ताक्षिद्विसाहस्रसादरालोकपात्रताप्रापकाय नमः
874	ओं सुकुमारयुवाकाराय नमः
875	ओं अनवच्छिन्नानन्दकारितकिलिकिञ्चिताय नमः
876	ओं दासकृतासङ्ख्यप्रणमनोत्थानप्रसन्नहृदे नमः
877	ओं श्रीसहितस्वप्राप्त जीवपुत्रप्रहर्षकाय नमः
878	ओं स्वसुखाम्भोधिमज्जनकारिणे नमः
879	ओं स्वकीर्तनरुचिप्रदाय नमः

880	ओं दयागङ्गाप्लावनकृतार्थतापादकाय नमः
881	ओं लक्ष्म्या सहिताय पर्यङ्कारोहणप्रह्वलालनाय नमः
882	ओं कस्त्वमिति पृच्छते नमः
883	ओं दासोऽस्मीत्युक्तिविस्मिताय नमः
884	ओं अपृथक्त्वप्रकारोक्तिविस्मिताय नमः
885	ओं वाचा स्वाश्रितवद्भवते नमः
886	ओं यथोपासनदृश्यहयास्यरूपाय नमः
887	ओं वासुदेवाय नमः
888	ओं वैकुण्ठनायकाय नमः
889	ओं यथातथैव स्वरूपप्रकाशकाय नमः
890	ओं जगन्मोहनमूर्तये नमः
891	ओं द्विमूर्तिप्रकाशकाय नमः
892	ओं बहुमूर्तिप्रकाशकाय नमः
893	ओं स्वतोयुगपत्सर्वसाक्षात्कारकारिणे नमः
894	ओं कव्यादेशकाय नमः
895	ओं मुक्तादिकवये नमः
896	ओं षडर्णनिष्ठश्वेतद्वीपस्थितिप्रदाय नमः
897	ओं द्वादशाक्षरनिष्ठसान्तानिकलोकदायिने नमः

898	ओं अष्टाक्षरनिष्ठकार्यवैकुण्ठदायिने नमः
899	ओं शरणागतिनिष्ठमुख्यवैकुण्ठदायिने नमः
900	ओं स्वमन्त्रराजनिष्ठतदतिशयदायिने नमः
901	ओं श्रीगाढोपगूढाय नमः
902	ओं भूतधात्रीरुचिदाय नमः
903	ओं नीलाविभूतिव्यामुग्धाय नमः
904	ओं महाश्वेताश्वमस्तकाय नमः
905	ओं त्र्यक्षाय नमः
906	ओं त्रिपुरसंहारिणे नमः
907	ओं रुद्राय नमः
908	ओं स्कन्दाय नमः
909	ओं विनायकाय नमः
910	ओं अजाय नमः
911	ओं विरिञ्चाय नमः
912	ओं द्रुहिणाय नमः
913	ओं व्याप्तमूर्तये नमः
914	ओं अमूर्तिकाय नमः
915	ओं असङ्गाय नमः

916	ओं अनन्यधीसङ्गविहङ्गाय नमः
917	ओं वैरिभङ्गदाय नमः
918	ओं स्वामिने नमः
919	ओं स्वाय नमः
920	ओं सन्तुष्यते नमः
921	ओं शक्राय नमः
922	ओं सर्वाधिकस्यदाय नमः
923	ओं स्वयञ्ज्योतिषे नमः
924	ओं स्वयंवैद्याय नमः
925	ओं शूराय नमः
926	ओं शूरकुलोद्भवाय नमः
927	ओं वासवाय नमः
928	ओं वसुरण्याय नमः
929	ओं अग्रये नमः
930	ओं वासुदेवाय नमः
931	ओं सुहृदे नमः
932	ओं वसवे नमः
933	ओं भूताय नमः

934	ओं भाविने नमः
935	ओं भवते नमः
936	ओं भव्याय नमः
937	ओं विष्णुस्थानाय नमः
938	ओं सनातनाय नमः
939	ओं नित्यानुभावाय नमः
940	ओं नेदीयसे नमः
941	ओं दवीयसे नमः
942	ओं दुर्विभावनाय नमः
943	ओं सनत्कुमाराय नमः
944	ओं सन्धात्रे नमः
945	ओं सुगन्धये नमः
946	ओं सुखदर्शनाय नमः
947	ओं तीर्थाय नमः
948	ओं तितिक्षवे नमः
949	ओं तीर्थाङ्घ्रये नमः
950	ओं तीर्थस्वादुशुभाय नमः
951	ओं शुचये नमः

952	ओं तीर्थवद्दीधितये नमः
953	ओं तिग्मतेजसे नमः
954	ओं तीव्राय नमः
955	ओं अनामयाय नमः
956	ओं ईशाद्युपनिषद्वेद्याय नमः
957	ओं पञ्चोपनिषदात्मकाय नमः
958	ओं ईशे नमः
959	ओं अन्तस्स्थाय नमः
960	ओं दूरस्थाय नमः
961	ओं कल्याणतमरूपवते नमः
962	ओं प्राणानां प्राणनाय नमः
963	ओं पूर्णज्ञानैरपि सुदुर्ग्रहाय नमः
964	ओं नाचिकेतोपासनार्च्याय नमः
965	ओं त्रिमात्रप्रणवोदिताय नमः
966	ओं भूतयोनये नमः
967	ओं सर्वज्ञाय नमः
968	ओं अक्षराय नमः
969	ओं अक्षरपरपराय नमः

970	ओं अकारादिपदज्ञेयव्यूहाय नमः
971	ओं तारार्थपूरुषाय नमः
972	ओं मनोमयाय नमः
973	ओं अमृताय नमः
974	ओं आनन्दमयाय नमः
975	ओं दहररूपधृते नमः
976	ओं न्यासविद्यावेद्यरूपाय नमः
977	ओं आदित्यन्तर्हिरण्मयाय नमः
978	ओं इदन्द्राय नमः
979	ओं आत्मने नमः
980	ओं उद्गीथादिप्रतीकोपासनान्वयिने नमः
981	ओं मधुविद्योपासनीयाय नमः
982	ओं गायत्रीध्यानगोचराय नमः
983	ओं दिव्यकौक्षेयसज्योतिषे नमः
984	ओं शाण्डिल्योपास्तिवीक्षिताय नमः
985	ओं संवर्गविद्यावेद्यात्मने नमः
986	ओं परषोडशकलाय नमः
987	ओं उपकोसलविद्येक्ष्याय नमः

988	ओं पञ्चाग्न्यात्मशरीरकाय नमः
989	ओं वैश्वानराय नमः
990	ओं सते नमः
991	ओं भूम्ने नमः
992	ओं जगत्कर्मणे नमः
993	ओं आदिपूरुषाय नमः
994	ओं मूर्तामूर्तब्रह्मणे नमः
995	ओं सर्वप्रेष्ठाय नमः
996	ओं अन्यप्रियताकराय नमः
997	ओं सर्वान्तराय नमः
998	ओं अपरोक्षाय नमः
999	ओं अन्तर्यामिणे नमः
1000	ओं अमृतानघाय नमः
1001	ओं अहर्नामादित्यरूपाय नमः
1002	ओं अहन्नामाक्षिसंश्रिताय नमः
1003	ओं सतुर्यगायत्र्यर्थाय नमः
1004	ओं यथोपास्त्याप्यसद्वपुषे नमः
1005	ओं चन्द्रादिसायुज्यपूर्वमोक्षदन्यासगोचराय नमः

1006	ओं न्यासनाश्यानभ्युपेतप्रारब्धांशाय नमः
1007	ओं महादयाय नमः
1008	ओं अवताररहस्यादिज्ञानिप्रारब्धनाशनाय नमः
1009	ओं स्वपरकृतन्यासफलप्रदाय नमः
1010	ओं असाहसाय नमः
1011	ओं अनपायश्रिये नमः
1012	ओं ससहायाय नमः
1013	ओं श्रियैव सते नमः
1014	ओं श्रीमन्नारायणाय नमः
1015	ओं वासुदेवाय नमः
1016	ओं विष्णवे नमः
1017	ओं उत्तमाय नमः
1018	ओं श्रीमते हयग्रीवाय नमः

॥ इति श्री हयग्रीवसहस्रनामावलिः समाप्ता ॥